Fortis Memorial Research Institute, Gurgaon :

Hindustan, May 16, 2014, Edition : Gurgaon, Page 17 :

जीवन में खुशी और जिंदादिली का संदेश देने के लिए रैंप पर उतरे पुरुष और महिला डॉक्टर

डॉक्टर और मरीजों ने रैंप पर जलवा बिखेर दिखायी अपनी प्रतिभा

गुड़गांव | कार्यालय संवाददाता

गुरुवार को शहर के एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों और मरीजों ने रैंप पर अपना जलवा बिखेरा। सभी विभागों के वरिष्ठ डॉक्टर अपने परंपरागत पेशे से बिल्कुल अलग अंदाज में दिखे। वहीं मरीजों को भी अलग माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में महिला डॉक्टरों ने भी रैंप पर कंधे से कंधा मिलाकर इस क्षेत्र में भी अपनी भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पीड़ित मरीजों और उनके परिवारवालों में निराशा को सकारात्मकता में बदलना था। डॉक्टरों ने रैंप पर उतरकर जीवन में खुशी और जिंदादिली दिखाने का संदेश दिया। गुरुवार को सेक्टर 44 स्थित फोर्टिस

आयोजन

- महिला डॉक्टरों ने भी निभाया साथ पेशे से दिखे बिल्कुल अलग
- फोर्टिस अस्पताल में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अस्पताल में पहले वार्षिक आयोजन के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रैंप पर डॉ संजय धवन, कैंसर सर्जन डॉ वेदांत काबरा, डॉ सलिल जैन, हृदयरोग विशेषज्ञ डा संदीप अटावर, डॉ अमिताभ, डॉ पवन आदि ने अपने जलवे बिखेरे। गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ गौरदास चौधरी ने कहा कि डॉक्टरों के पेशे में ऐसे कम मौके आते हैं। लोगों को समय-समय पर ऐसे आयोजनों में हिस्सा लेना चाहिए। इससे तनाव दूर करने में मदद मिलती है। डॉ दिलप्रीत बरार कहती हैं कि अपने पेशे से अलग माहौल में समय बिताने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कुछ समय खुलकर जीने को मिलता है। आमतौर पर हम सभी अपने कामों में बहुत व्यस्त रहते हैं। ऐसे ही मौकों पर विभिन्न रहन-सहन के लोगों के साथ बातचीत करने और उन्हें समझने का मौका मिलता है।

गुड़गांव में गुरुवार को फोर्टिस अस्पताल में रैंप पर उतरे डॉक्टर। • हिन्दुस्तान

तीन मरीजों की इच्छा हुई पूरी :

अस्पताल की प्रवक्ता डॉ दिलप्रीत बरार ने कहा कि इस अवसर पर तीन मरीजों की अस्पताल से जुड़ी कोई भी इच्छा को पूरा किया गया। अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से मरीजों से उनकी इच्छाएं जानने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। अस्पताल में आनेवाले लोगों ने विशेष तौर पर बनाए गए कुएं में अपनी इच्छाएं लिखकर बताई थीं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार 700 से ज्यादा लोगों ने अपनी इच्छाएं जताई थीं। ड्रॉ निकालकर तीन इच्छाओं को पूरा किया गया है। इनमें अस्पताल में निशुल्क इलाज का पैकेज, अस्पताल की सेवाओं से संबंधित मांगें शामिल हैं।